सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

शिक्षण अधिगम केन्द्र

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

एवं

संयुक्त तत्त्वाधान में

महाराजा सूरजमल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

चरण-6, कार्यक्रम सं. 6

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.)

अभिकल्पन, विकास एवं मानकीकरणः शोध उपकरण

दिनांक 12 से 16 सितम्बर , 2022

ऑनलाइन प्लेटफार्म:
गूगल मीट

टीएलसी परिचय

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के शिक्षण अधिगम केन्द्र की स्थापना **शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार** की **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना** (PMMMNMTT) के पाठ्यचर्या एवं शिक्षणशास्त्र हेतु उत्कृष्टता केन्द्र के घटक के अन्तर्गत हुई है। यह योजना शिक्षा के सभी स्तरों में गुणात्मक सुधार करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षा विशेषकर संस्कृत से जुड़े अध्यापक एवं अध्यापक शिक्षको में शिक्षण एवं अधिगम प्रणालियों के अभिकल्पन, विकास, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन हेतु कौशल एवं कुशलताओं का विकास करना है। **भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा केंद्र को उच्च शिक्षा के नवनियुक्त अध्यापकों हेतु एक मासिक अनिवार्य संकाय अनुबोधन कार्यक्रम (FIP) के संचालन हेतु जारी 30 नये केन्द्रों की सूची में चिह्नित किया गया तथा उसे संस्कृत विषय में SWAYAM मंच के माध्यम से Annual Refresher Program in Teaching (ARPIT – 2018, 2019 व 2020 कोर्स) के निर्माण हेतु राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (NRC) के रूप में भी अधिसूचित किया गया। इसके साथ केन्द्र द्वारा उच्च प्राथमिक स्तर एवं माध्यमिक स्तर पर संस्कृत शिक्षण हेतु दो संदर्शिकाओ का प्रकाशन किया गया है। अभी तक केन्द्र द्वारा 52 कार्यक्रम एवं 3 संकाय अनुबोधन कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा चुका है।**

एम.एस.टी.टी. परिचय

महाराजा सूरजमल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय भरतपुर जिले (राजस्थान) का प्रथम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय है। महाविद्यालय की स्थापना महाराजा सूरजमल एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा 1985 में की गई थी। महाविद्यालय के संस्थापक स्व. श्री महेंद्र सिंह जी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु समर्पित महान व्यक्तित्व थे । अपनी गत 37 वर्षों की यात्रा में महाविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्तापूर्ण मानको को प्राप्त किया है, जैसे- महाविद्यालय महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरातुर राजस्थान से स्थाई संबद्धता प्राप्त है। महाविद्यालय को राजस्थान सरकार द्वारा स्थाई अन्नापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त है, महाविद्यालय एन.सी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त है एवं यू.जी.सी. के एक्ट 1956 के सेक्शन 2(एफ) एवं 12 (बी) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है । महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन संस्थान (नैक) द्वारा बी+ ग्रेड प्राप्त है। महाविद्यालय में बी.एड. एवं डी.एल.एड. कार्यक्रम संचालित है तथा महाविद्यालय को बहुविषयक बनाने के क्रम में वर्ष 2020 में बी.एस.सी. एवं बी.ए. स्नातक कार्यक्रमों को भी प्रारंभ कर दिया गया है।| महाविद्यालय का आतंरिक गुणवत्ता अस्वसान प्रकोष्ठ गुणवत्तापूर्ण कार्यशैली अधिगम एवं व्यावसायिक विकास तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण हेतु नवाचारिक अभ्यासों को प्रोत्साहित करता है ।

सन्दर्भ

हम सभी जानते है कि परिकल्पना परीक्षण या शोध प्रश्नों का उत्तर देने या समस्या का समाधान प्राप्त करने के लिये प्रदत्त संकलन शोध प्रक्रिया एक महत्त्वपूर्ण सोपान है। प्रदत्त जो मात्रात्मक या गुणात्मक हो सकते है, को संकलित करने के लिए विविध प्रकार की विधियों एवं उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। उपकरण की उपयुक्तता अध्ययन के उद्देश्यों एक प्रदत्तों की प्रकृति पर निर्भर करती है। प्रदत्तों का वर्णन एवं मात्रा के रूप में प्रदर्शित करने के साथ प्रत्येक उपकरण का निर्माण एवं मानकीकरण प्रक्रियाओं का एक विशिष्ट तरीका होता है। सही शोध उपकरण का प्रयोग आधार सामग्री के संकलन को ही नहीं समर्थित करता है बल्कि अध्ययन के परिणामों पर भी प्रभाव डालता है। अतः शोध उपकरण निर्माण और उसके मानकीकरण की प्रक्रिया की जानकारी प्रत्येक शोधार्थी के लिये आवश्यक बन जाता है। इस परिप्रेक्ष्य में, एक साप्ताहिक ऑनलाइन FDP का आयोजन प्रतिभागियों को विविध शोध उपकरणों के निर्माण एवं मानकीकरण की प्रक्रियाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के आशय से किया जा रहा है।

उद्देश्य

इस FDP के उद्देश्य हैं –

- विविध शोध उपकरणों यथा- प्रश्नावली, अभिमत मापनी, निर्धारण मापनी आदि की विशेषताओं से परिचित करना।
- विविध शोध उपकरणों की निर्माण प्रक्रिया में अंतर्दृष्टि प्रदान करना।
- विविध शोध उपकरणों के अभिकल्पन एवं निर्माण कौशलों को अभिवृद्ध करना।
- विविध शोध उपकरणों के मानकीकरण प्रक्रिया विशेषतः विश्वसनीय एवं वैधता में अंतर्दृष्टि प्रदान करना।

लक्ष्य समूह

- सभी विषयों के उच्च शिक्षा के शिक्षक।
- परम्परागत एवं आधुनिक दोनों विश्वविद्यालयों के अध्यापक शिक्षक।
- केवल संस्कृत विषय के TGT तथा PGT शिक्षक।
- सभी विषयों के अनुसंधानकर्ता।

पंजीकरण

इस कार्यशाला के लिये **पंजीकरण शुल्क ₹600/- (अप्रतिदेय)** है। इच्छुक प्रतिभागी इस लिंक https://forms.edugfix.com/slbsnsuform/home

द्वारा 11 सितम्बर, 2022 तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण सूचना

- ✓ प्रतिभाग हेतु **ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य** है।
- ✓ पंजीकरण प्रपत्र में कृपया अपना **वैध ईमेल एवं WhatsApp नंबर** प्रदान करें क्योंकि कार्यशाला सम्बन्धित सभी सम्प्रेषण इन्हीं के द्वारा किये जाएंगे।
- ✓ **यूजीसी अधिनियम 2018 (मद संख्या 6.4 (बी)) के अनुसार 05 दिनों की अवधि के कार्यक्रम को एक साप्ताहिक माना जाएगा।**
- ✓ इस कार्यशाला में प्रतिभाग/ पूर्णता (निष्पादन आधारित ग्रेड) का **ई-प्रमाणपत्र** प्रदान किया जाएगा।
- ✓ **यूजीसी अधिनियम 2018 के अनुसार इस एफ.डी.पी. का ई-सर्टिफिकेट करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के लिए मान्य होगा। (पद संख्या. 18.0 (ix)).**
- ✓ इस कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे महाविद्यालय एवं विद्यालय के नियमित अध्यापक **"ऑन ड्यूटी"** माने जायेंगे।

सक्रिय प्रतिभाग हेतु अपेक्षित सामग्री : -

1. लैपटॉप/ कैमरा एवं माइक्रोफोन के साथ कंप्यूटर/स्मार्टफ़ोन।
2. कार्यशाला के समय उत्तम इन्टरनेट कनेक्टिविटी कम से कम 3 जीबी डाटा प्रतिदिन।

कार्यक्रम समयावधि

10.30-01.00 PM
03.00-04.30 PM

संरक्षक

प्रो. मुरलीमनोहर पाठक
कुलपति
श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली

प्रो. आर. के. एस. धाकरे
कुलपति,
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय,भरतपुर,राजस्थान

डॉ. भूपेन्द्र सिंह
निदेशक
एम.एस.टी.टी.

समन्वयक एवं संयोजक

प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज
निदेशक

डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य, एम.एस.टी.टी

डॉ. रश्मि श्रीवास्तव
संयोजक, आई.क्यू.ए.सी.

सह-संयोजक

डॉ. नीलम सिंह
आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. तमन्ना कौशल
डॉ. आरती शर्मा
टी.एल.सी. सदस्य

कार्यक्रम सुगमकर्ता

श्री सुरेन्द्र नागर
श्री ज्ञान चन्द शर्मा
श्री राकेश काण्डपाल
श्री अक्षत डबराल
श्री सचिन कुमार
श्री ज्वाला सिंह (एम.एस.टी.टी)

आयोजक:

शिक्षण अधिगम केन्द्र
पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदत्त
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

एवं

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महाराजा सूरजमल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
(एम.एस. ब्रिज विश्वविद्यालय से सम्बद्ध, भरतपुर)
पका बाघ, भरतपुर, राजस्थान

संयुक्त तत्त्वाधान में

सम्पर्क सूत्र -8287380767, 9716692396, 8285513959
ई-मेल: tlc@slbsrsv.ac.in वेबसाइट: www.slbsrsv.ac.in